एना की कला यात्रा

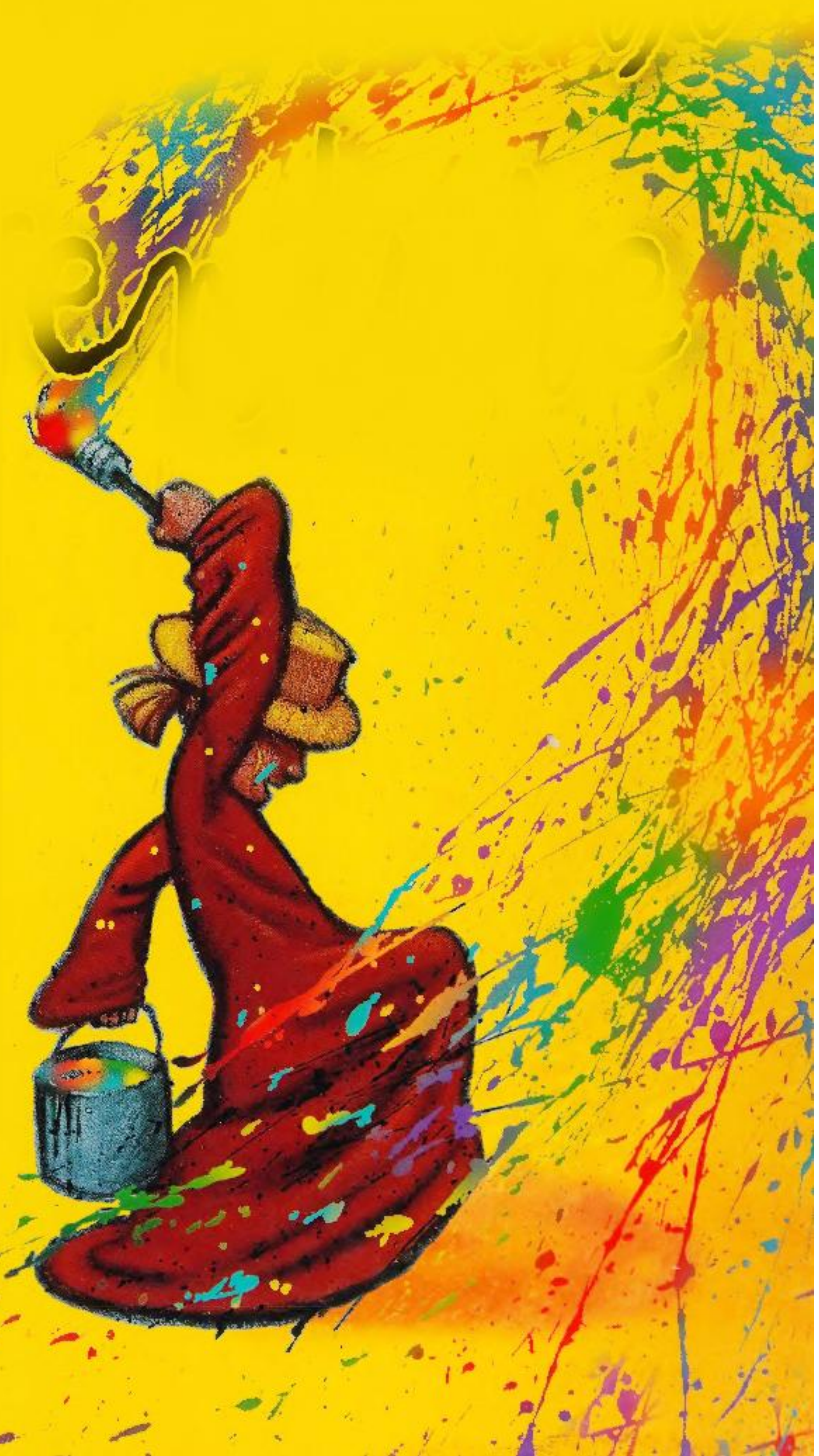

जोर्न सोर्टलैंड

चित्र: लार्स एलिंग

हिंदी: इंदूजी

एना की कला यात्रा

जोर्न सोर्टलैंड
चित्र: लार्स एलिंग
हिंदी: इंदूजी

"तुम यहाँ आने के लिए उत्सुक थी न?" अंकल हैरोल्ड ने पूछा. वह एना को अपने साथ उस कला म्यूज़ियम ले कर आए थे जहाँ वह काम करते थे.

एना ने सिर हिला कर हामी भरी.

"तो ठीक है," अंकल हैरोल्ड ने कहा, "तुम अच्छे से व्यवहार करना, मैं कुछ लोगों को म्यूज़ियम की सैर करा कर आता हूँ. तुम किसी से कोई सवाल न पूछोगी, न किसी वस्तु को छूओगी, न थक कर कहीं बैठोगी, न शौचालय जाओगी, न कैंडी या सोडा मांगोगी, न हॉल में दौड़ोगी न घर जाओगी."

"हाँ, न, न, न, न, न, न," एना ने कहा.

"खूब मज़ा आएगा," अंकल हैरोल्ड ने कहा.

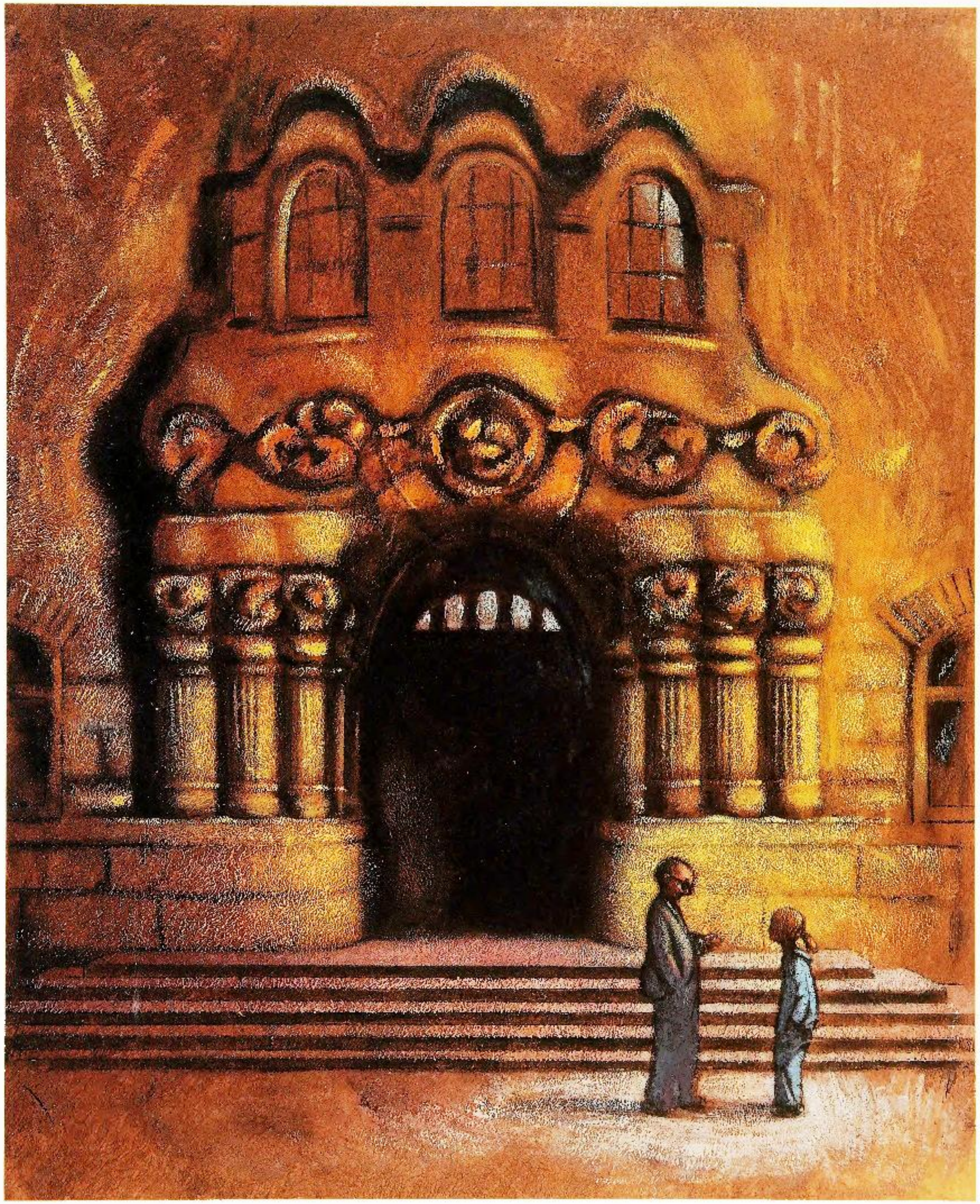

एना ने उन लोगों को देखा जो अंकल हैरोल्ड की बातें सुन रहे थे.

“दृश्य कला...” अंकल हैरोल्ड ने गंभीर आवाज़ में कहा, “एक बड़ा विषय है. मैं आपको समझाने का प्रयास करूंगा. इसलिए अपने प्रश्न अभी न पूछें.”

दर्शकों में से किसी ने कुछ न कहा. उन्होंने बस अपने सिर हिलाए, कुछ ने खांसी कर अपने गले साफ किए.

एना को लगा कि उसे उसी समय शौचालय जाना पड़ेगा. इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि उसके अंकल ने क्या कहा था. वह धीरे-धीरे दर्शकों के समूह से दूर जाने लगी. जब शौचालय जाना है तो जाना ही है.

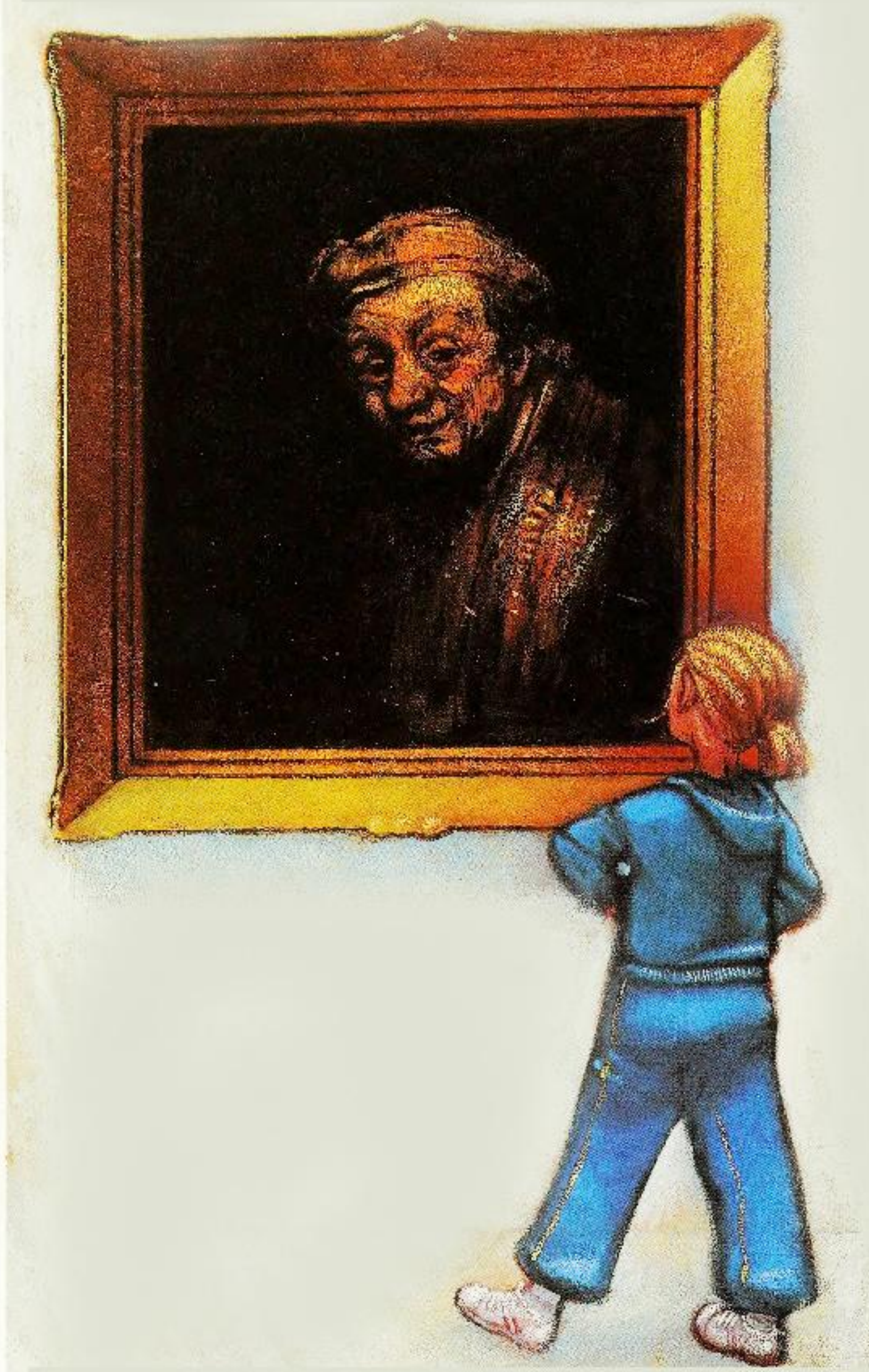

"क्या आप जानते हो कि शौचालय कहाँ पर है?" एना ने हँसते हुए झुर्रीदार चेहरे को देखते हुए पूछा.

"हम्म, हा, हा. मुझसे पूछने से कोई अर्थ नहीं है," उस चेहरे ने कहा. "मैं, रैंब्रान्ट वॉन रिन, तीन सौ सालों से शौचालय नहीं गया."

"फिर आप हँस क्यों रहे हैं?" एना ने पूछा.

"मैं इसलिए हँस रहा हूँ कि मैं बहुत गंभीर दिखाई नहीं देना चाहता. यहाँ जितने भी लोग हैं मैं उन सब से अधिक बूढ़ा हूँ, इस कारण मुझे डर लगता है कि क्या कोई मेरी ओर देखना भी चाहेगा? वास्तव में पुराने चित्रों से मार्सेल ड्यूचैंप इतना उदासीन हो गया था कि कला के नाम पर उसने एक घृणित शौचालय का प्रदर्शन किया था. मुझे विश्वास है कि अगर तुम खोजने का प्रयास करोगी तो वह तुम्हें यहीं कहीं मिल जाएगा."

क्या ड्यूचैंप ने वास्तव में एक शौचालय का प्रदर्शन किया था या वह एक कलाकृति थी? एना को लगा कि उसे पता लगाना होगा क्योंकि उसे अभी शौचालय जाना था.

उसने फर्श पर एक लाल रंग की पोशाक देखी. कौन यह पोशाक यहाँ छोड़ गया था? क्या यह पोशाक किसी ऐसी लड़की को तो नहीं जिसे तुरंत बाथरूम जाने की ज़रूरत महसूस हुई थी?

एना ने चारों ओर देखा पर उसे कोई ऐसा व्यक्ति दिखाई नहीं दिया जिसने वस्त्र न पहन रखे हों. उसने फिर से झटपट चारों ओर देखा और फिर उसने वह रहस्यमयी पोशाक उठी ली. जब उसने पोशाक के गले से अपना सिर बाहर निकाला तो अचानक उसने देखा........

..........कि सब कुछ बदल गया था.

“आखिरकार तुम आ ही गई! आजकल मॉडल भरोसे योग्य नहीं रहे,” ऐडवर्ड मंच ने कहा. “वह आते हैं ओर चले जाते हैं और बार-बार अपना रंग बदलते हैं. पिछली गर्मियों में मैंने एक आदमी का चित्र बनाया था जो लाल रंग का था. जब दो दिन पहले मैं उससे फिर मिला तो मैंने देखा कि वह हरे रंग का हो गया था. मुझे उसका चित्र दुबारा बनाना पड़ा था”

एना स्थिर खड़ी रही ताकि मंच उसका चित्र बना सके. लेकिन उसे शौचालय ढूँढना ही था और वह सड़क के बारे में जानने के लिए उत्सुक थी.

“यह सड़क कहाँ जाती है?” उसने पूछा.

“मैं विश्वास से नहीं कह सकता,” मंच ने मुस्कराते हुए कहा. “यह ऐसी रेखा है जो मेरे हर चित्र के बीच से गुज़रती है.”

“अगर ऐसा है,” एना ने कहा, “तो मुझे स्वयं ही पता लगाना होगा.”

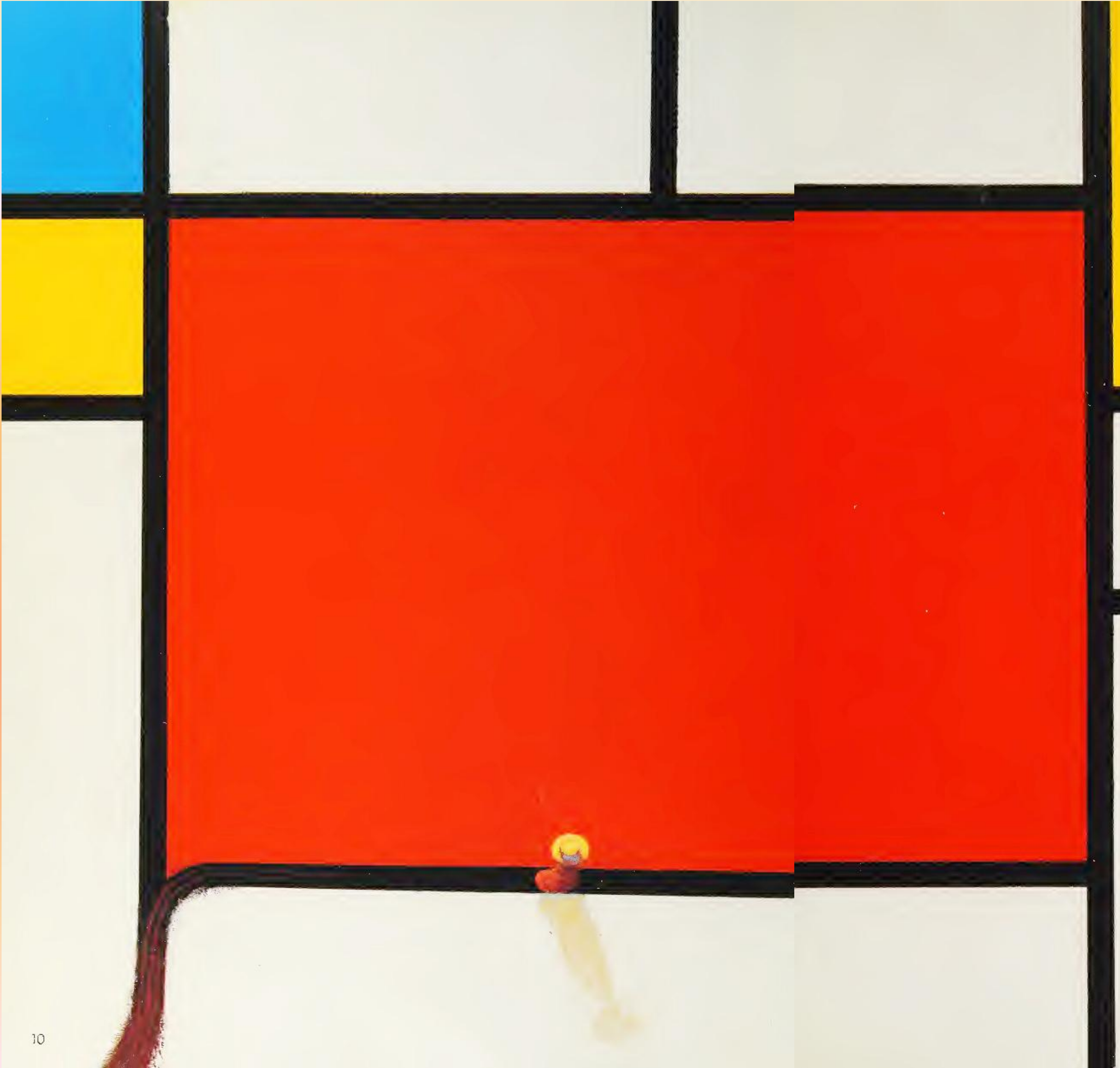

जैसे-जैसे एना सड़क पर चलती गई, वह सड़क एक सीधी काली रेखा बन गई जो अन्य काली सीधी रेखाओं से जा मिली. वह उस काली रेखा पर आ गई जो सफेद क्षेत्र और लाल क्षेत्र को विभाजित कर रही थी. “लाल क्षेत्र स्ट्राबैरी का खेत हो सकता है,” उसने सोचा. “और नीला क्षेत्र ब्लू बैरी का खेत होगा.”

एना पीले रंग के क्षेत्र में आ गई जहाँ पीले रंग की हैट पहने एक आदमी चित्रकारी कर रहा था. शायद इसे ड्यूचैंप के शौचालय के बारे में पता हो.

पीले रंग की तिनको की हैट पहने आदमी ने एना की ओर देखा जब वह उसके निकट आई. “देखा! यह रेखाएं निकट नहीं आतीं,” उसने कहा. “मैं बहुत उदास और अकेला हूँ क्योंकि कोई चित्र बनाना असंभव सा हो गया है.” हवा में उस आदमी की आवाज़ कांप सी रही थी.

“शायद हवा बहुत तेज़ है,” एना ने कहा.

“नहीं, नहीं. यह मेरे कारण है...मैं बहुत अधिक कांप रहा हूँ. अब लोग विनसैंट वॉन गफ का कोई चित्र नहीं खरीदेंगे! ज़रा देखो मैंने कितने सुंदर रंग चित्र में भरे हैं- सलफर का पीला रंग, गेरुआ पीला, बसंती पीला, नींबू पानी सा हल्का पीला-लेकिन कोई भी मेरे चित्र पसंद नहीं करता.” उसने एक आह भरी.

“नींबू पानी के बारे में आप मत सोचें,” एना के मन में विचार आया. “पीला अच्छा रंग है,” उसने कहा, और वह खेत के बीच से तेज़ी से चलने लगी.

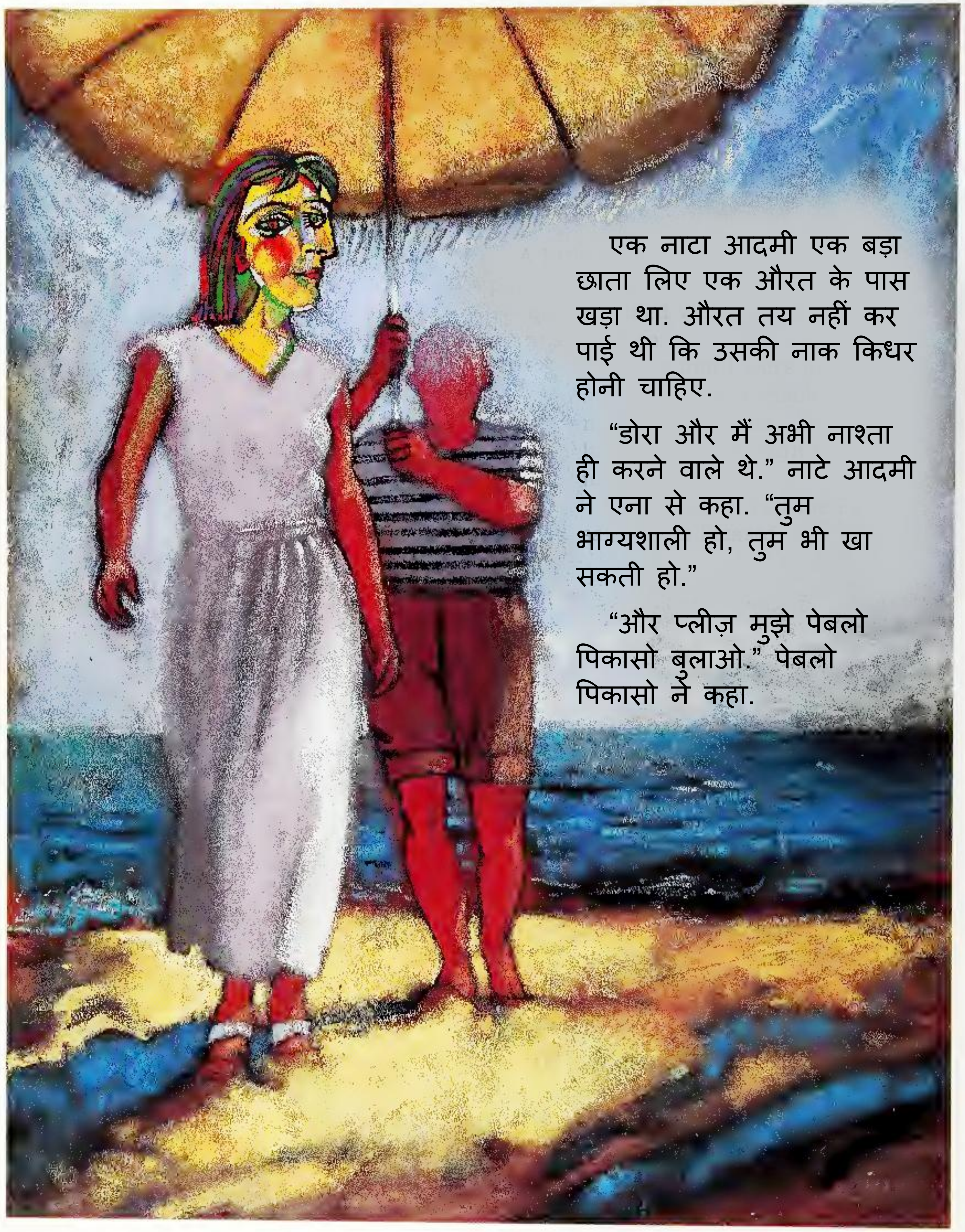

एक नाटा आदमी एक बड़ा छाता लिए एक औरत के पास खड़ा था. औरत तय नहीं कर पाई थी कि उसकी नाक किधर होनी चाहिए.

“डोरा और मैं अभी नाश्ता ही करने वाले थे.” नाटे आदमी ने एना से कहा. “तुम भाग्यशाली हो, तुम भी खा सकती हो.”

“और प्लीज़ मुझे पेबलो पिकासो बुलाओ.” पेबलो पिकासो ने कहा.

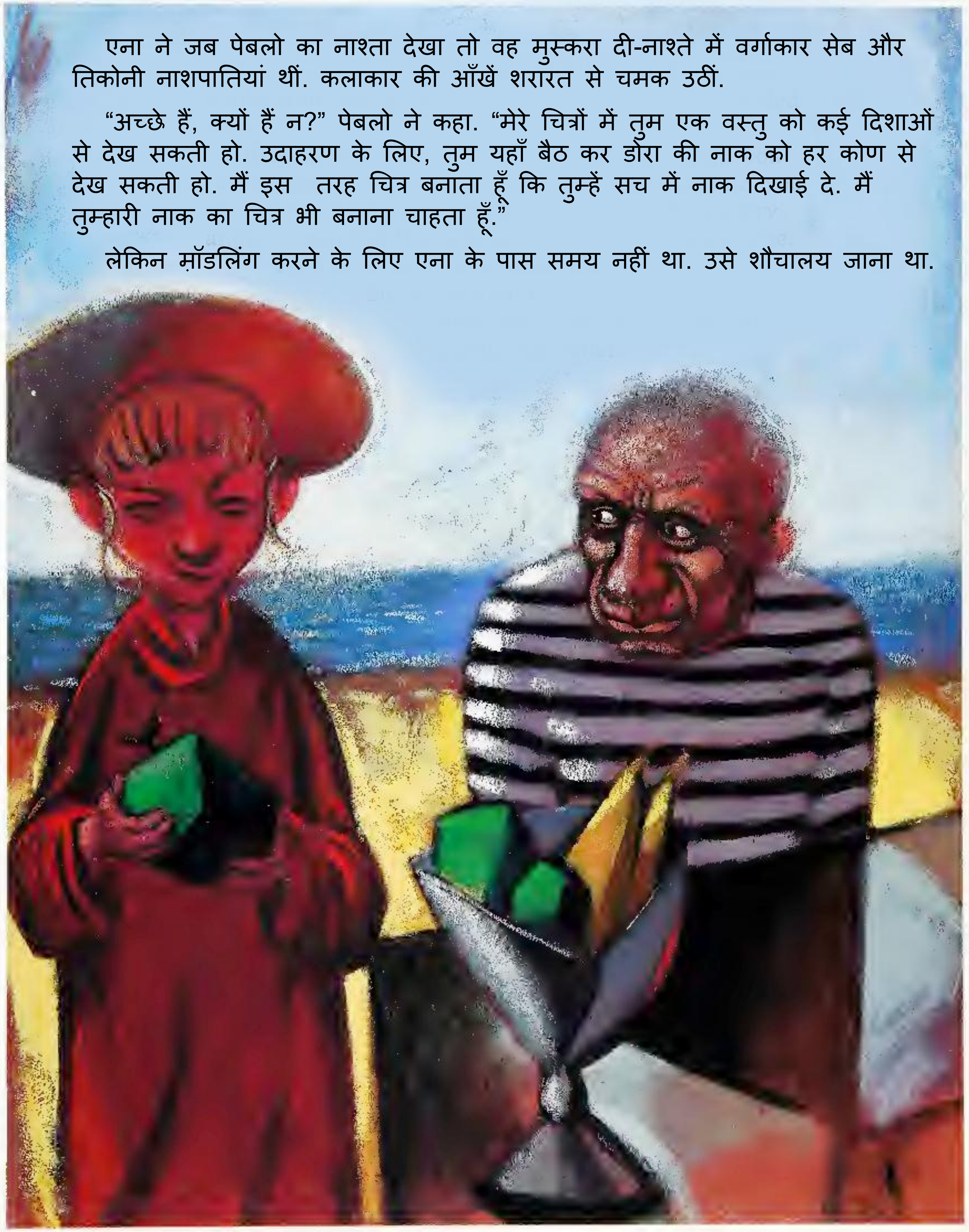

एना ने जब पेबलो का नाश्ता देखा तो वह मुस्करा दी-नाश्ते में वर्गाकार सेब और तिकोनी नाशपातियां थीं. कलाकार की आँखें शरारत से चमक उठीं.

“अच्छे हैं, क्यों हैं न?” पेबलो ने कहा. “मेरे चित्रों में तुम एक वस्तु को कई दिशाओं से देख सकती हो. उदाहरण के लिए, तुम यहाँ बैठ कर डोरा की नाक को हर कोण से देख सकती हो. मैं इस तरह चित्र बनाता हूँ कि तुम्हें सच में नाक दिखाई दे. मैं तुम्हारी नाक का चित्र भी बनाना चाहता हूँ.”

लेकिन मॉडलिंग करने के लिए एना के पास समय नहीं था. उसे शौचालय जाना था.

समुद्र तट पर आगे कुछ दूरी पर एक पीला आदमी सूप बेच रहा था. "टमाटर का सूप लेना चाहती हो? या चिकेन सूप? एंडी का कला सूप?" उसने पूछा. "मैंने स्वयं यह चित्रकारी की है."

"क्या तुम सूप बेचने वाले हो या चित्रकार हो?" एना ने पूछा.

"मैं दोनों हूँ. मैं सूप बेचने वाला हूँ और महान चित्रकार ऐंडी वारहोल भी हूँ और यह मेरी कला का कारखाना है."

"लेकिन सिर्फ सूप के डिब्बों के चित्र बनाना क्या उबाऊ काम नहीं है?"

"ओह, मैं किसी भी वस्तु को कलाकृति में बदल सकता हूँ-सूप के डिब्बे, फिल्म कलाकार, कोक की बोतलें, पैसा. कोई फर्क नहीं पड़ता, अधिकांश लोग तो ऐसा चित्र लेना चाहते हैं जो उनके लिविंग रूम के सोफा से मेल खाता हो." ऐंडी ने अपने कंधे उचकाए. "सूप के कैन बेच कर भी आप पैसे कमा सकते है."

"यहाँ आइसक्रीम बेचकर आप अधिक पैसे कमा सकते है," एना ने जम्हाई लेते हुए कहा. उसे नींद आने लगी थी. एना रेत पर लेट गई और उसने अपनी आँखें बंद कर लीं. "अगर में उड़ कर शौचालय तक जा सकती," उसने सोचा.

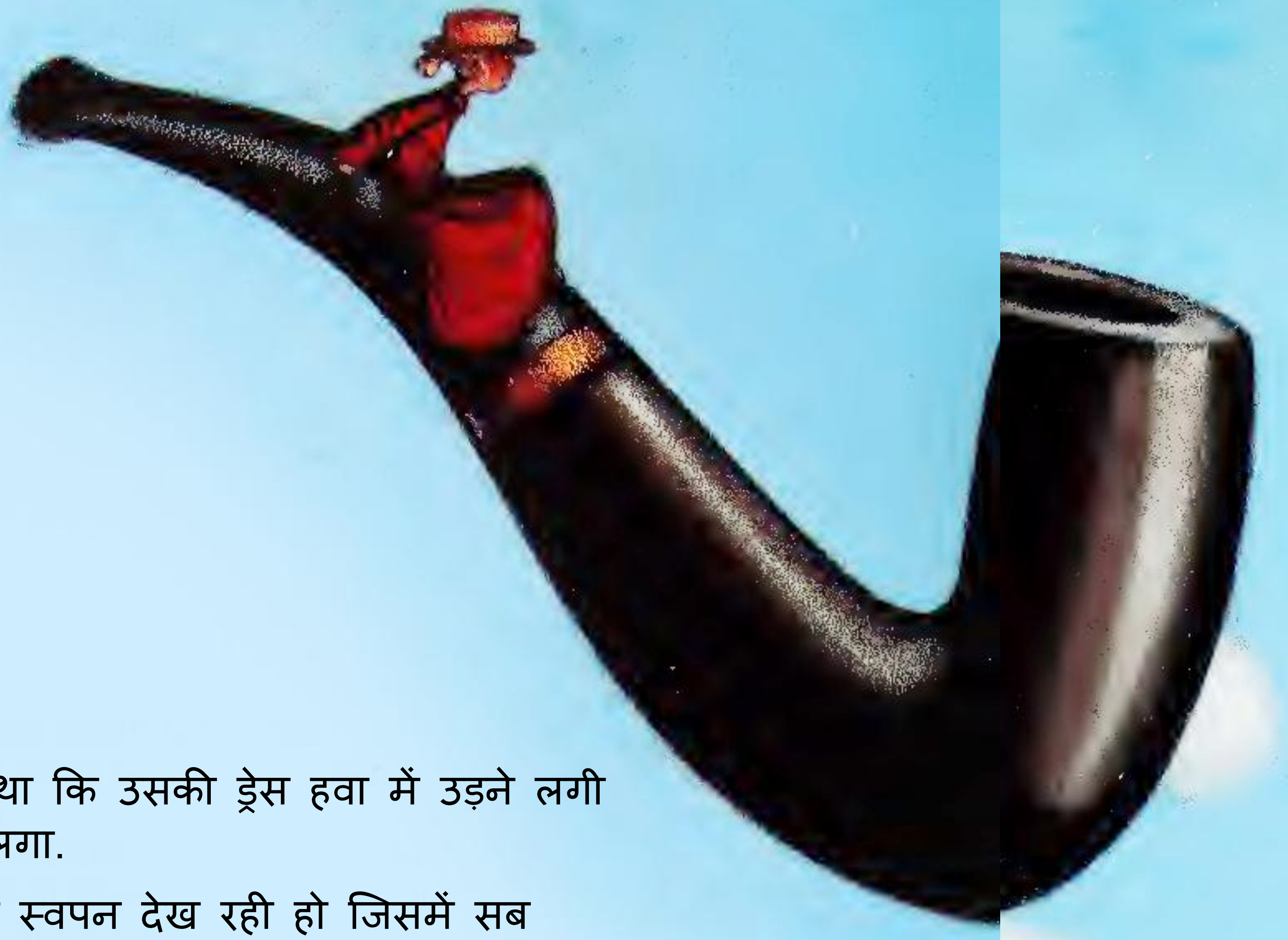

एना ने ऐसा सोचा ही था कि उसकी ड्रेस हवा में उड़ने लगी और उसका शरीर हिलने लगा.

"डरो मत-तुम एक ऐसा स्वपन देख रही हो जिसमें सब असंभव घटनाएं घट सकती हैं," एक आवाज़ सुनाई दी.

"आप कौन हो?" एना ने पूछा. वह इतना घबरा गई थी कि आँखें खोलने का साहस न जुटा पा रही थी.

"मैं एक चित्र हूँ. मैं कुछ भी नहीं हूँ या सब कुछ हूँ. जो कुछ भी तुम सपने में देख सकती हो मैं वही हूँ-आग उगलता जिराफ, एक मछली-शेर, पियानो का अँडा. लेकिन निश्चय ही मैं एक पाइप नहीं हूँ," उस आवाज़ ने कहा.

"और अगर मैं सपने में कुछ भी न देखूं तो?" एना ने पूछा.

"फिर मैं गा...य...ब...हो....जा..ऊँ...गा."

इसके पहले कि एना कोई सपना देख पाती वह नीचे गिरने लगी

गिरने लगी

गिरती गई.....

घिरती गई.....

अचानक किसी ने उसका हाथ पकड़ लिया. एना हवा में झूलने लगी.

“हेलो, नन्ही परी,” मार्क शगाल ने कहा. “स्वर्ग सो आए अतिथि को देखकर अद्‌भुत आश्चर्य हो रहा है. क्या तुम कुछ देर और हवा में झूल सकती हो ताकि मैं तुम्हारा चित्र बना लूँ? मुर्गियों, घोड़ों और घरों को उड़ने के लिए थोड़ी मदद की ज़रूरत होती है. लेकिन देवदूत स्वयं उड़ सकते हैं.”

“क्या आप मुझे खींच कर धरती पर ला सकते हैं?” एना ने कहा “मुझे शौचालय ढूँढना है......”

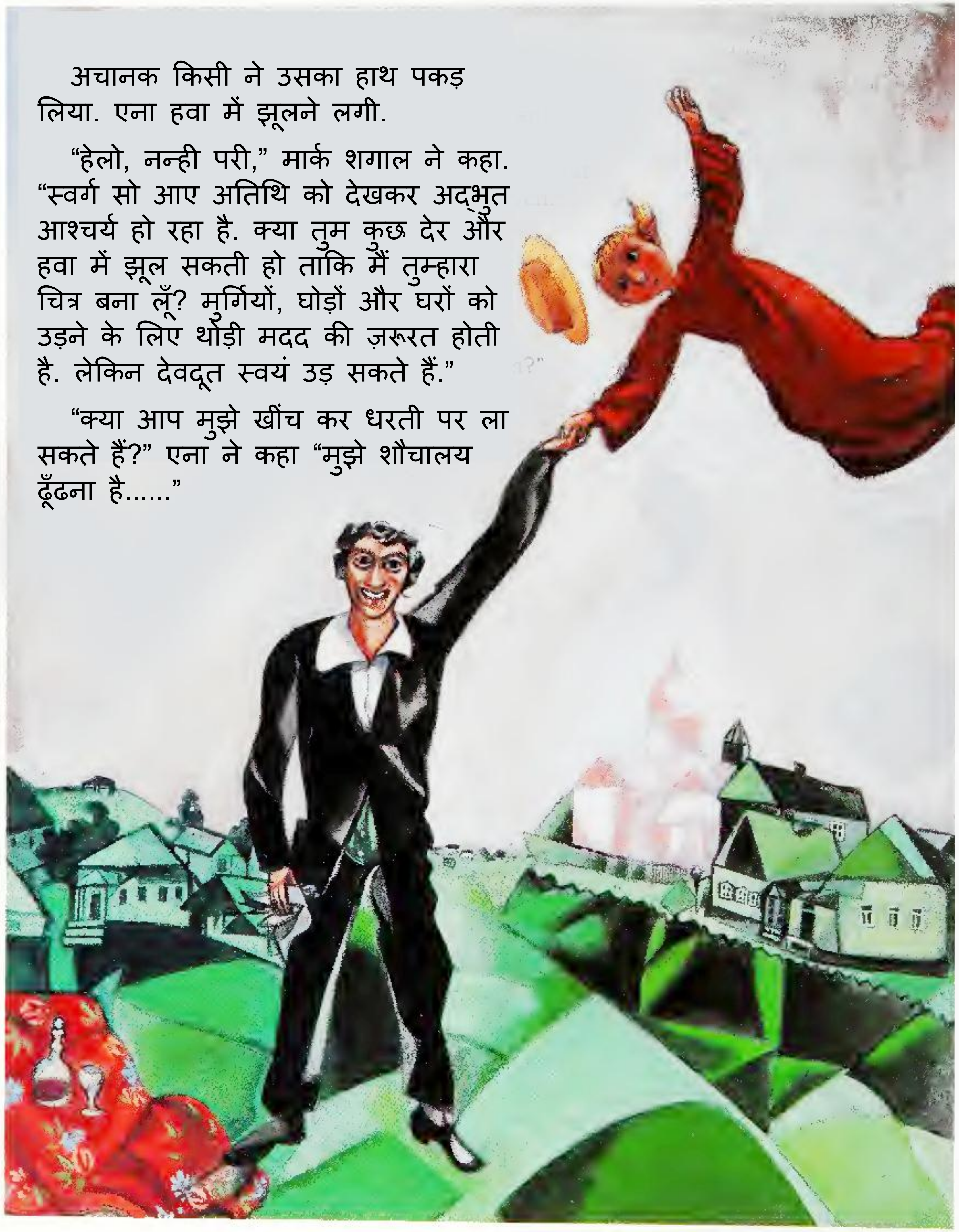

चित्रकार गायब हो गया और एना एक हरा, गोल सेब पकड़ी वहाँ खड़ी रही.

“तुम्हारे पास एक अच्छा सेब है. मुझे बिलकुल ऐसा ही सेब चाहिए,” एना के पास खड़े एक आदमी ने अधीरता से कहा. “ऐसा सेब खोजने में मैंने सारा दिन लगा दिया. मेरे सेब सड़ने लगे हैं इसलिए मुझे नए सेब चाहिए. तुम ने इसे काटा तो नहीं, नहीं न?”

“नहीं,” एना ने कहा. “यह मुझे अभी मिला है.”

वह आदमी बेचैन लग रहा था. शायद उसे भी शौचालय जाना था.

“अगर मुझे पता लग जाए कि,” एना ने कहा, “तुम इसका क्या करोगे तो यह सेब मैं तुम्हें दे दूँगी.”

“मेरे साथ आओ,” उस आदमी ने कहा,

“आपने मेज़ पर खाना बड़े अच्छे से सजा रखा है,” एना ने कहा. “क्या मेहमान आ रहे हैं?”

“नहीं, नहीं,” उस आदमी ने कहा. “मैं स्थिर वस्तुओं के चित्र बनाता हूँ-मेज़ पर रखे प्राकृतिक वस्तुओं के. मैं लोगों के चित्र नहीं बनाता क्योंकि मैं बहुत शर्मीला हूँ. सेब बेहतर हैं, वह फूलों की तरह मुरझाते नहीं हैं. वह स्थिर रहते हैं और मुझसे वर्षा और धूप, सुगंध और रंगो की बातें करते हैं.”

एना ने सेब को ध्यान से मेज़ पर रख दिया.

“नहीं, वहाँ नहीं,” उस आदमी ने कहा.

एना ने सेब को थोड़ा सा हिलाया.

“हम्म, नहीं, वहाँ भी ठीक नहीं है.”

एना ने आह भरी और सेब को फिर से थोड़ा सा एक ओर सरकाया.

“हाँ, अब ठीक है. बिलकुल वहीं.” उसने ब्रश निकाला. “अब दुनिया देखेगी कि पॉल सेज़ान एक सेब का कैसा चित्र बनाता है!”

एना की दिलचस्पी यह जानने में थी कि ड्यूचैंप का शौचालय कहाँ था. वह जल्दी-जल्दी अगले कमरे की ओर गई.

“हे हो, क्या वृद्ध हेनरी मैतीज़ से कोई मिलने आया है?

एना ने उस चित्रकार को देखा उसने अपने चित्रकारी के लंबे ब्रश को हलके से हिलाया और अचानक चटकीले रंगों से बना औरत का चित्र प्रकट हो गया.

“क्या इस प्रकार औरतों के चित्र बनाना आसान होता है?” एना ने पूछा. स्वयं एक चित्र बनाने का विचार उसे अच्छा लगने लगा था.

“हाँ, आसान है,” मैतीज़ ने मुस्कराते हुए कहा. “चित्र बनाते समय मैं शिथिल हो जाता हूँ. मेरे चित्र देखना वैसा ही होना चाहिए जैसे कि देखने वाला एक आराम कुर्सी में बैठा हो.”

एना वहाँ सारा दिन खड़ी रह सकती थी और मैतीज़ को चित्र बनाते देख सकती थी पर उसे शौचालय ढूंढना था.

यक! नीले पेंट की एक बूंद उझल कर उसकी नाक पर आ गिरी.

“वह फिर से शुरु हो गया है,” मैतिज़ ने आह भरी. “यह पोलॉक चित्रकारी कर रहा है. मुझे चित्र बनाना बंद करना पड़ेगा. मुझे अच्छा नहीं लगता जब लोग मेरी औरतों पर रंग फेंकते हैं.”

एना ने रंगों को हवा में इधर-उधर उड़ते देखा-लाल, नीला और थोड़ा सा पीला. क्या चित्रकारी करते समय कोई इतनी गड़बड़ कर सकता था?

“क्या ऐसा करने की आपको अनुमति है?” एना ने उस चित्रकार से पूछा जो फर्श पर हर तरफ रंग बिखरा रहा था.

“मुझे अनुमति नहीं मिलती,” जैक्सन पोलॉक ने कहा. “जितना रंग फैला सकता हूँ, मैं फैलाता हूँ.”

“आप भाग्यशाली हैं,” एना ने कहा. “मुझे यहाँ कुछ भी करने की अनुमति नहीं है. मेरे अंकल मुझे बताते हैं कि क्या कर सकती हूँ और क्या नहीं कर सकती हूँ. मुझे लगता है कि वह चित्रों को भी बताना चाहेंगे कि वह कैसी दिखनी चाहिए.”

“चित्र स्वयं तय करते हैं,” चित्रकार ने कहा, “ मैं तो बस कुछ रंग फैला देता हूँ. आओ-तुम भी प्रयास करो.”

“म्म्म. इसकी गंध कितनी अनोखी है,” एक सुंदर, गाढ़े रंग के डिब्बे में ब्रश डुबोते हुए एना ने सोचा.

उसने पहले थोड़ा सा पीला रंग फैलाया. फिर उसने नीली रेखा खींची. अचानक रंग अपने आप फैलने लगे. एक रंग एक ओर फैला, दूसरा दूसरी ओर. एक बड़ा धब्बा यहाँ बना, एक छोटा धब्बा वहाँ.

एना को सिर्फ ब्रश हिलाना पड़ता था. वह भूल ही गई कि उसे तुरंत शौचालय जाना था.

लेकिन वह पूरी तरह न भूली थी.

“क्या आप बता सकते हैं कि ड्यूचैंप का शौचालय किधर है?” उसने उस चित्रकार से पूछा. “मुझे तुरंत.....”

“शौचालय? ओह, तुम्हारा अर्थ है कि ड्यूचैंप का फव्वारा,” पोलॉक ने कहा, “वह तो वर्षों से मेरे घर की अटारी में रखा हुआ है. पर मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम कैसे....”

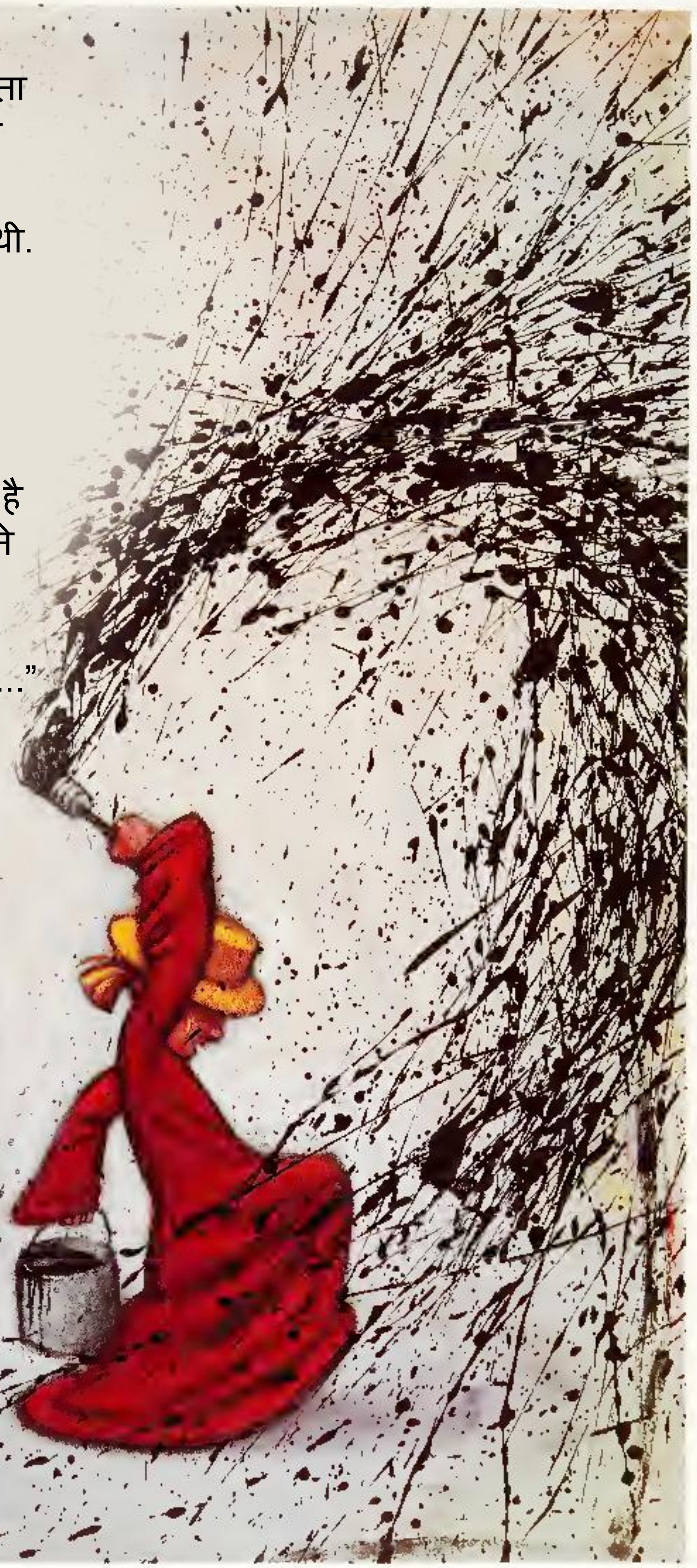

लेकिन जब किसी को शौचालय जाना होता है तो जाना ही पड़ता है.

एना दौड़ कर सीढ़ियां चढ़ गई और उसने अटारी का दरवाज़ा खोला. वह एकदम रुक गई.

वह वहीं था. वह कोई कलाकृति जैसा नहीं लग रहा था. वह शौचालय नहीं था, लेकिन वह फव्वारा भी नहीं था. ड्यूचैंप का फव्वारा एक पुराना, गंदा मूत्रपात्र था. वह उसका उपयोग कैसे कर सकती थी?

वह बहुत निराश हो गई.

“स्वाभाविक है,” एना ने सोचा. “स्वाभाविक है, यह मूत्रपात्र ही होगा. इस कहानी में हर वस्तु कैसी होगी यह पुरुषों ने ही तय किया था. अच्छी बात यह है कि मैंने एक चित्र तो बना ही लिया.”

एना ने घड़ी की ओर देखा. देर हो रही थी. जिस जगह उसे होना चाहिए वहां जाने का रास्ता वह कैसे ढूंढ पाएगी? उसने उस लाल ड्रेस को देखा जिसे के कारण यह रोमांचक यात्रा शुरु हुई थी. एना ने धीरे से उस ड्रेस को उतारा और देखा कि.......

..................वह वापस अंकल हैरोल्ड के पास खड़ी थी.

"दिलचस्प बात यह है कि," अंकल हैरोल्ड ने थकी हुई आवाज़ में कहा, "यहाँ आप देख सकते हैं कि पोलॉक ने थोड़े से रंग मिला कर सब प्रसिद्ध चित्र बनाया है. आप कह सकते हैं कि यह बहुत सरल है-बस लाल, नीला और थोड़ा सा पीला रंग मिलाओ और चित्रकारी के सब नियमों का पालन करो."

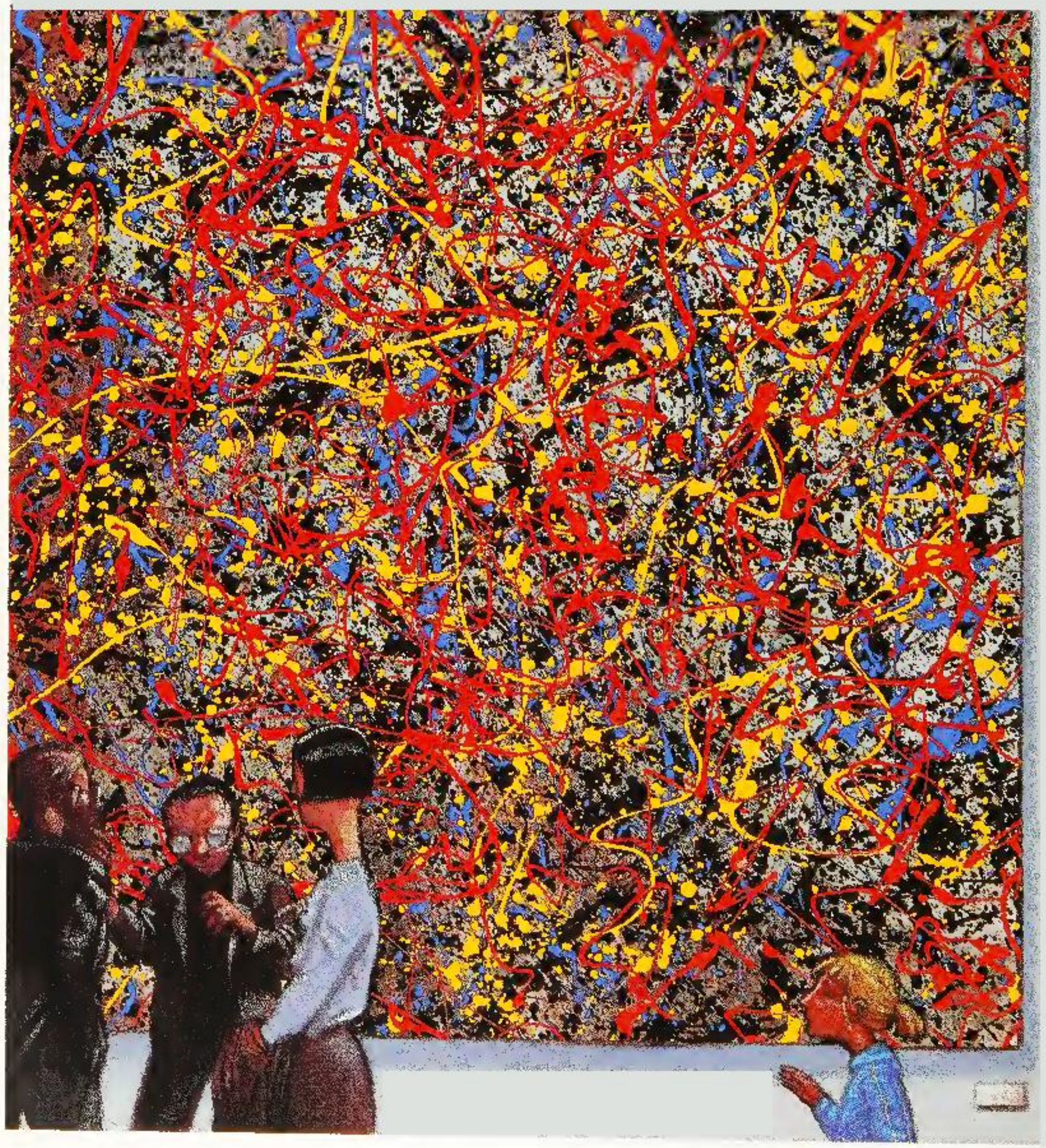

अंकल हैरोल्ड ने अंतिम, लंबा कलात्मक विराम लिया.

"मेरा बच्चा भी यह चित्र बना सकता था," लंबी गर्दन वाली एक महिला ने फुसफुसा कर कहा.

"अंकल हैरोल्ड चित्रकारों और चित्रकारी के बारे में कुछ नहीं जानते," एनी ने सोचा. "वह सच में नहीं जानते कि उस चित्र को किसने बनाया था और यह भी नहीं जानते कि चित्रकारी क्या है?"

लेकिन एना जानती थी-उसने स्वयं चित्र बनाने का प्रयास किया था.

अपनी मधुर वाणी में उसने कहा, "अंकल हैरोल्ड, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि शौचालय कहाँ है?"
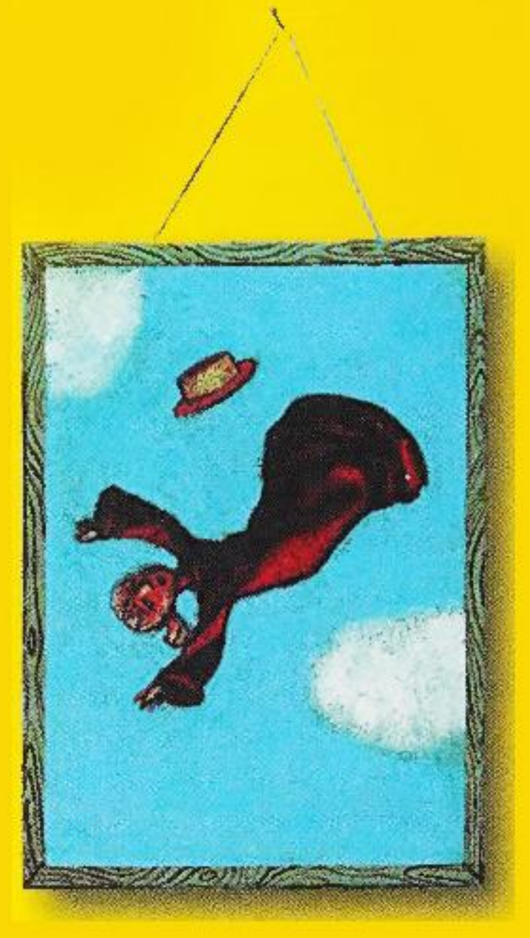
क्योंकि जब आपको जाना होता है तो जाना ही होता है.